



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 70]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 27, 1982/फाल्गुन 8, 1903

No. 70]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 27, 1982/PHALGUNA 8, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

## अम मंत्रालय

प्रादेश

नई दिल्ली 27 फरवरी, 1982

का०आ० 103 (अ).—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायय  
प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय जीवन बीमा निगम,  
मण्डल कार्यालय, बंगलौर से संबद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और  
उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित  
करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947  
का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड  
(घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण  
गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० एल० उपाध्याय  
होंगे जिसका मुख्यालय बंगलौर में होगा और उक्त विवाद को अधिकरण  
को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

## अनुसूची

क्या अनुबंध में उल्लिखित, भारतीय जीवन बीमा निगम बंगलौर  
मण्डल के कर्मचारियों नियमित आधार पर नियुक्ति के पात्र थे ? यदि हां  
तो क्या भारतीय जीवन बीमा निगम की बंगलौर स्थित शाखा के प्रबंधक

के मध्य से उक्त कर्मचारियों को नियमित आधार पर [नियुक्त न करने  
की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मचारों किस  
अनुतोष को हकदार हैं ?

## अनुबंध

1. श्री एम० मोहन कृष्ण
2. श्री जयराम ।
3. श्री के० आर० चन्द्रशेखर
1. श्री बी० रामू
5. श्री एल० जयम्मा
6. श्री बी० ए० नेशचरल
7. श्री एन० राजप्पा
8. श्री एम० जी० मुरलीधर
9. श्री एस० नगेन्द्र
10. श्री एम० मलेशा
11. श्री जैना
12. श्री नागराजा
13. श्री दोदिया
14. श्री बी० बाबू
15. श्री के० टी० नरैय्या
16. श्री बी० श्रीनिवास
17. श्री एस० लोकेश

18. श्री बी० गुरुराज
19. श्री एम० एम० नागराज
20. श्री जी० हनुमानथारिणा
21. श्री आर० सुनीराज
22. श्री नागराजैया
23. श्री के० एन० नागराज
24. श्री सी० गिरीयप्पा
25. श्री एम० रामाकृष्ण
26. श्री व्हेटगोडा
27. श्री चिकैया
28. श्री एम० एम० बालामुन्नम्मम
29. श्री मरयप्पा
30. श्री सुबैय्या
31. श्री श्रीकांतगोडा
32. श्री सी० जी० मुरलीधर
33. श्री मोहन
34. श्री विजयद्राव
35. श्री पी० एन० हनुमानथप्पा
36. श्री बालगोडा
37. श्री बी० एस० मरयप्पा
38. श्री एम० खेन्ना
39. श्री राजू
40. श्री बी० बाबू
41. श्री मलेशा
42. श्री दोदिया
43. श्रीमती जयम्मा एल०
44. श्रीमती जयम्मा
45. श्री एम० नागराज
46. श्री गंगप्पा
47. श्री एनीयप्पा
48. रामू
49. श्री जी० श्रीनिवास
50. श्री जी० कुबेन्द्र राव
51. कलनैका
52. नन्जामा
53. गंगारामैया
54. रामचन्द्र
55. के० हान्ना
56. आर० रंगारामैया
57. आर० एन० प्रेमकुमार
58. रघु (चिकबलापुर)
59. कैम्पेगोडा
60. जे. आर० राजकुमार (चिकबलापुर)
61. एम० एस० राजशेखर (वन्नापथ)
62. सन्ध्या (मैसूर)

[संख्या एल-17015 (1)/81-श्री. IV(ए)]

म० सेठ, सयुक्त सचिव

## MINISTRY OF LABOUR

### ORDER

New Delhi, the 27th February, 1982

**S.O. 103(E).**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India, Divisional Office, Bangalore and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri V. H. Upadhyaya, shall be the Presiding Officer with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

### SCHEDULE

“Whether the workmen of Life Insurance Corporation of India, Bangalore Division, mentioned in the annexure were eligible for appointment on regular basis? If so, whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India in relation to Bangalore Division in not appointing the said workmen on regular basis is justified? If not, to what relief the workmen concerned entitled?”

### ANNEXURE

1. Shri S. Mohana Krishna
2. Sri Jayarama
3. Sri K. R. Chandrasekhar
4. Sri V. Ramu
5. Smt. L. Jayamma
6. Sri B. A. Chaneswaran
7. Sri N. Rajappa
8. Sri M. G. Muralidhar
9. Sri S. Nagendra
10. Sri M. Mallesha
11. Sri Jayanna
12. Sri Nagaraja
13. Sri Doddaiiah
14. Sri B. Balu
15. Sri K. T. Nanjaiah
16. Sri V. Srinivasa
17. Sri S. Lokesh
18. Sri V. Gururaja
19. Sri S. M. Nagaraja
20. Sri G. Hanumantharayappa
21. Sri R. Muniraju
22. Sri Nagarajaiiah
23. Sri K. N. Nagaraja
24. Sri V. Giriappa
25. Sri M. Ramakrishna
26. Sri Venkategowda
27. Sri Chikkaiah
28. Sri M. S. Balasubramanyam
29. Sri Mariyappa
30. Sri Subbaiiah
31. Sri Srikantegowda
32. Sri C. G. Muralidhara
33. Sri Mohan
34. Sri Vijeyendra Rao
35. Sri P. N. Hanumantharayappa
36. Sri Balegowda
37. Sri B. S. Mariyappa
38. Sri M. Revanna
39. Sri Raju
40. Sri B. Babu
41. Sri Mallesha
42. Sri Doddaiiah
43. Smt. Jayamma L.
44. Smt. Jayamma
45. Sri N. Nagaraja
46. Sri Gangappa
47. Sri Annaiyappa
48. Sri Ramu

- 49. श्री श्री Sreenivasa
- 50. श्री श्री Kubendra Rao
- 51. श्री Kalanaika
- 52. श्री Nanjamma
- 53. श्री Gangaramaiah
- 54. श्री Ramchandra
- 55. श्री K. Honna
- 56. R. Rangaswamy

- 57. श्री R N Premakumar
- 58. श्री Raghu (Chickballapur)
- 59. श्री Kempegowda
- 60. श्री R. Rajkumar (Chickballapur)
- 61. श्री M. S. Rajesekhar (Channapatha)
- 62. श्री Shanthappa (Mysore)

[No. L-17015(1)/81-D IV(A)]  
M. SETH. Jt Secy.

